आईपीओ के रास्ते तलाश रहे ग्रामीण बैंक

हर्ष कुमार
नई दिल्ली, 28 अगस्त

अपने मजबूत प्रदर्शन से उत्साहित कुछ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) ने पिछले सप्ताह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ हुई बातचीत के दौरान अपने आईपीओ लाने की इच्छा जाहिर की। वित्त मंत्रालय में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, '19 अगस्त को हुई बैठक में आरआरबी के लिए बाजार अवसरों के बारे में चर्चा हुई थी। कुछ प्रायोजक बैंकों ने कहा था कि कई आरआरबी इतना अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं कि वे धन जुटाने के लिए बाजार में जा सकते हैं।'

वित्त मंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव (नामित) एम नागराजू, अतिरिक्त सचिव, डीएफएस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के प्रतिनिधि, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), विभिन्न आरआरबी के अध्यक्ष और प्रायोजक बैंकों के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) शामिल हुए थे।

पंजाब नैशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी अतुल कुमार गोयल ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, '9 आरआरबी में से 7 वाकई बेहद अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं,

सार्वजनिक निर्गम की राह

- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने 19 अगस्त को वित्त मंत्री के साथ बैठक की
- इन बैंकों के लिए कई तरह के नियम और शर्तों का पालन करना अनिवार्य
- कोई भी ग्रामीण बैंक आरबीआई के पीसीए फ्रेमवर्क से जुड़ा नहीं होना चाहिए
- बैंकिंग क्षेत्र के दिग्गजों का मानना है कि इन बैंकों के सूचीबद्ध होने से जनता के प्रति इनकी जवाबदेही बढ़ेगी

जिनमें प्रथम यूपी ग्रामीण बैंक और पंजाब ग्रामीण बैंक मुख्य रूप से शामिल हैं। हम प्रथम आरआरबी के लिए आईपीओ पर विचार कर रहे हैं।'

मुरादाबाद स्थित प्रथम यूपी ग्रामीण बैंक की स्थापना 2019 में दो आरआरबी (सर्व यूपी ग्रामीण बैंक मेरठ और प्रथम ग्रामीण बैंक मुरादाबाद) को मिलाकर की गई थी। यह बैंक 20 जिलों में 967 शाखाओं के साथ परिचालन करता है। इन जिलों में बुलंदशहर, गाजियाबाद, मेरठ, गौतमबुद्ध नगर, हापुड़, बागपत, शामली, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, हरिद्वार, गोंडा, बलरामपुर, संभल, बदायूं, झांसी, ललितपुर, मुरादाबाद, रामपुर और अमरोहा मुख्य रूप से शामिल हैं।

वित्त मंत्रालय के 2022 के मसौदा दिशानिर्देशों के अनुसार 300 करोड़ रुपये की न्यूनतम नेटवर्थ वाले आरआरबी के पास पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक में 9 प्रतिशत के नियामकीय न्यूनतम स्तर से अधिक पूंजी पर्याप्तता अनुपात होना चाहिए।

इसके अलावा, इन क्षेत्रीय ऋणदाताओं के लिए पिछले पांच वर्षों में से तीन वर्षों में 15 करोड़ रुपये का कर-पूर्व परिचालन लाभ दर्ज करना जरूरी होगा। चिन्हित आरआरबी को पिछले पांच वर्षों में से तीन वर्षों में इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 10 प्रतिशत और परिसंपत्तियों पर रिटर्न (आरओए) 0.5 प्रतिशत होना चाहिए।

साथ ही, कोई भी ऋणदाता आरबीआई की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) के ढांचे से जुड़ा नहीं होना चाहिए। एक आरआरबी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'आईपीओ के माध्यम से हमारा लक्ष्य एक प्रतिष्ठित संगठन के रूप में अपनी विश्वसनीयता बढ़ाना और उसे निवेश लायक बनाना है।'

पंजाब ऐंड सिंध बैंक के पूर्व एमडी एवं सीईओ कृष्णन शंकरसुब्रमण्यन ने कहा, 'यदि आरआरबी सूचीबद्ध होते हैं तो इससे सूचीबद्धता के बाद जनता के प्रति उनका जवाबदेही बढ़ेगी और अतिरिक्त पैसा जुटाकर वे ज्यादा पेशेवर तौर पर परिचालन करने में सक्षम होंगे।'

स्मॉल-मिडकैप सूचकांक पांचवें महीने भी देंगे सेंसेक्स को मात

दीपक कोरगांवकर और पुनीत वाधवा
मुंबई/नई दिल्ली, 28 अगस्त

बीएसई स्मॉलकैप और बीएसई मिडकैप सूचकांकों का प्रदर्शन वित्त वर्ष 2025 में लगातार पांचवें महीने अग्रणी बेंचमार्क एसऐंडपी बीएसई सेंसेक्स के मुकाबले बेहतर रहने वाला है।

वित्त वर्ष 25 के पहले पांच महीनों (अप्रैल से अगस्त) में स्मॉलकैप इंडेक्स 29.7 फीसदी चढ़ा जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 38 फीसदी उछला था। इस दौरान मिडकैप इंडेक्स 24.5 फीसदी चढ़ा जबकि बेंचमार्क इंडेक्स में 11 फीसदी का इजाफा हुआ। बीएसई स्मॉलकैप व मिडकैप इंडेक्स ने बुधवार को कारोबारी सत्र के दौरान नई रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ।

आंकड़ों के मुताबिक स्मॉलकैप इंडेक्स में शामिल 995 शेयरों में से करीब 450 शेयरों (43 फीसदी) ने वित्त वर्ष 25 में 30 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी के साथ उम्दा प्रदर्शन किया है। स्मॉलकैप के 49 शेयरों की वैल्यू दोगुनी हो गई है यानी इन शेयरों ने 100 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न दिया। चार शेयरों- बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज, शक्ति पंप्स (इंडिया), जीएमआर पावर ऐंड अर्बन इन्फ्रा और पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट- में वित्त वर्ष 25 में 200 से 280 फीसदी तक का इजाफा हुआ है।

मिडकैप शेयरों में इमामी 96 फीसदी चढ़ा है जबकि ऑयल इंडिया, ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स, क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स, ट्रेंट और व्हर्लपूल ऑफ इंडिया में 70 से 85 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है।

मजबूत नकदी

विश्लेषकों ने कहा कि बाजार में तेजी देसी संस्थागत निवेशकों के मजबूत निवेश के दम पर आई है। आंकड़ों के मुताबिक घरेलू संस्थागत निवेशकों ने वित्त वर्ष 25 में शुद्ध रूप से 2 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। दूसरी ओर, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की है।

विश्लेषकों का मानना है कि सेंसेक्स और निफ्टी के मौजूदा स्तर को लेकर चिंता की कोई बात नहीं और इसके लिए उन्होंने सेंसेक्स के पिछले पीई आधार पर 24 गुना से कम पर कारोबार करने के रुझान का उदाहरण दिया। इक्विनॉमिक्स रिसर्च के संस्थापक और शोध प्रमुख जी. चोक्कालिंगम ने कहा कि हालांकि

जलवा बरकरार

- वित्त वर्ष 25 के पहले पांच महीनों में स्मॉलकैप इंडेक्स 29.7 फीसदी चढ़ा जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 38 फीसदी उछला था
- इस दौरान मिडकैप इंडेक्स 24.5 फीसदी चढ़ा जबकि बेंचमार्क इंडेक्स में महज 11 फीसदी का इजाफा हुआ
- स्मॉलकैप इंडेक्स में शामिल 995 शेयरों में से करीब 450 शेयरों (43 फीसदी) ने वित्त वर्ष 25 में 30 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी के साथ उम्दा प्रदर्शन किया है
- स्मॉलकैप के 49 शेयरों की वैल्यू दोगुनी हो गई है

स्मॉल और मिडकैप सेगमेंट के कुछ क्षेत्रों को लेकर चिंता है।

उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के कुछ शेयरों में चार अंक के पीई तक की तेजी बरकरार है और हम उनको लेकर चिंतित हैं। औसत जोखिम प्रोफाइल वाले निवेशकों को 50 फीसदी इक्विटी संपत्ति लार्जकैप में, 5 फीसदी सोने में और बाकी अच्छी गुणवत्ता वाले स्मॉल और मिडकैप शेयरों में निवेश करना चाहिए। निवेशकों को मिड और स्मॉलकैप में शेयरों का चयन इस तरह से करना चाहिए कि अगर उनमें बड़ी गिरावट आती है तो भी वे उसे बरकरार रखने में सक्षम हों।

एमके ग्लोबल के विश्लेषकों के मुताबिक कमजोर जिंस, अमेरिका में सितंबर में संभावित दर कटौती और आम उपभोग में बहाली बाजारों के लिए बेहद अनुकूल हैं जबकि प्रीमियम सामान के उपभोग में नरमी चिंता का विषय है। हालिया गिरावट के बाद निफ्टी का पीई हालांकि नरम हुआ है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में जरूरत से ज्यादा मूल्यांकन अभी भी है।

एमके के विश्लेषकों शेषाद्रि सेन, अर्थकुमार गांधी और मीनल भागवत ने हालिया नोट में कहा कि हमारे विचार में बाजार का मूल्यांकन उचित है और अल्पावधि में बढ़ोतरी तभी होगी जब आय में संशोधन की रफ्तार लौटेगी। एक साल से अधिक के नजरिये से हम सकारात्मक बने हुए हैं क्योंकि आय में लगातार दो अंकों में वृद्धि हो रही है।

एसएमई शेयरों में निवेश पर सेबी ने निवेशकों को आगाह किया

प्रवर्तकों की तरफ से पेश अवास्तविक तस्वीर से रहें सावधान

खुशबू तिवारी
मुंबई, 28 अगस्त

सूचीबद्ध एसएमई शेयरों में निवेशकों की बहुत ज्यादा दिलचस्पी के बीच बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को एडवाइजरी जारी की। इसमें निवेशकों को प्रवर्तकों की तरफ से पेश अवास्तविक तस्वीर के आधार पर निवेश फैसला लेने के प्रति सावधान किया गया है। नियामक ने कहा कि कुछ प्रवर्तक ऐसे तरीके अपना रहे हैं जो उनके परिचालन की अवास्तविक तस्वीर पेश करते हैं और उन्हें ऊंची कीमत पर अपनी हिस्सेदारी बेचने का मौका देते हैं।

सेबी ने बताया है कि अपने परिचालन की सकारात्मक तस्वीर बताने के लिए सार्वजनिक घोषणाएं करने वाली कंपनियों में एक पैटर्न देखा गया। ऐसी कंपनियां बोनस इश्यू, शेयर विभाजन या तरजीही आवंजन जैसी कॉरपोरेट गतिविधियों का अनुपालन करती हैं। इससे शेयरों की कीमत बढ़ाने में मदद मिलती है और प्रवर्तकों को कथित तौर पर जोड़तोड़ का मौका मिल जाता है।

अपनी सलाह में सेबी ने निवेशकों से सावधान रहने और उपरोक्त पैटर्न पर नजर रखने के साथ-साथ ऐसी प्रतिभूतियों में निवेश पर सतर्क रहने के लिए कहा है। सेबी ने कहा है कि अपुष्ट सोशल मीडिया पोस्टों पर निवेशकों को भरोसा नहीं करना चाहिए और अफवाहों या टिप आदि के आधार पर निवेश भी नहीं करना

चाहिए। विशेषज्ञों ने कहा कि सेबी और शएयर बाजार धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए एनालिटिक्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बर्जान लॉ में सीनियर पार्टनर केतन मुखीजा ने कहा कि एसएमई क्षेत्र में अनैतिक गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए सेबी को वास्तविक बाजार समय में निगरानी बढ़ानी चाहिए, डिस्क्लोजर के सख्त नियम लागू करने चाहिए और एसएमई सूचीबद्धता के लिए ड्यू डिलिजेंस पर खास तौर से ध्यान देना चाहिए।

पिछले 10 वर्षों में 14,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम एसएमई एक्सचेंजों के जरिये जुटाए गए जिसमें से वित्त वर्ष 24 में करीब 6,000 करोड़ रुपये जुटाए गए। पिछले हफ्ते सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया ने अंकेक्षकों से कहा था कि अगर उनको एसएमई और उनके वित्तीय खातों में इस तरह की चिंता दिखाई दे तो तो उसे सामने लाएं।

कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार पर सेबी ने आरबीआई से मांगी मदद

खुशबू तिवारी
मुंबई, 28 अगस्त

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) से आग्रह किया है कि वह एएमसी रीपो क्लीयरिंग (एआरसीएल) में बैंकों और प्राइमरी डीलरों को भी हिस्सा लेने के लिए कुछ मंजूरी दे। सेबी के कार्यकारी निदेशक प्रमोद राव ने कहा कि इनकी भागीदारी बढ़ने से एआरसीएल प्लेटफॉर्म पर लेन-देन बढ़ जाएंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई में एआरसीएल की शुरुआत की थी। इसका मकसद कॉर्पोरेट बॉन्ड रीपो बाजार में लेन-देन को बढ़ावा देना था। राव ने कहा कि पिछले एक साल के दौरान कॉर्पोरेट बॉन्ड रीपो बाजार में लेन-देन बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफॉर्म पर हरेक महीने 10,000 करोड़ से 15,000 करोड़ रुपये के बीच लेन-देन हो रहे हैं।

कारोबारियों का कहना है कि

एआरसीएल क्वालिफाइड सेंट्रल काउंटरपार्टी (क्यूसीसीपी) के रूप में वर्गीकृत नहीं हुआ है। इस कारण बैंक और प्राइमरी डीलर इसके लेन-देन में भाग नहीं ले सकते।

राव ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में कहा, 'एआरसीएल में डीलरों और बैंकों को शिरकत करने की अनुमति देने के लिए हम आरबीआई से बातचीत कर रहे हैं। बैंक और डीलर भी अगर इसमें आते हैं तो यह बाजार और मजबूत होगा। एआरसीएल प्लेटफॉर्म पर बिना बैंकों और डीलरों के भी कारोबार काफी हो रहा है। हालांकि, ये दोनों आएंगे तो लेन-देन और बढ़ जाएंगे।'

राव ने कॉर्पोरेट बॉन्ड और डेट बाजार को मजबूत बनाने के लिए सेवी द्वारा उठाए गए कदमों की भी चर्चा की।

इंडिगो की और हिस्सेदारी बेच सकते हैं गंगवाल

इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो एयरलाइंस) के सह-संस्थापक राकेश गंगवाल ब्लॉक डील के जरिये करीब 7,100 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी बेच सकते हैं। यह गंगलाल की लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है, जिसके तहत वह देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी में अपनी हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटाएंगे, जिसे उन्होंने राहुल भाटिया के साथ अगस्त 2006 में शुरू किया था। सूत्रों ने कहा कि इस लेनदेन के लिए फ्लोर प्राइस 4,593 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है, जो आखिरी बंद भाव 4,859.2 रुपये से करीब 6 फीसदी कम है। अबी गंगवाल व उनसे संबंधित इकाइयों के पास इंडिगो की 19.38 फीसदी हिस्सेदारी है।

सूत्रों ने कहा, ब्लॉक डील के जरिये 7,100 करोड़ रुपये की 3.8 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी

पिछले कुछ वर्षों में गंगवाल और उनकी संबंधित इकाइयां चरणों में इंडिगो की हिस्सेदारी बेचती रही हैं। इस साल मार्च में उन्होंने कंपनी की 6 फीसदी हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिये बेचकर 6,786 करोड़ रुपये जुटाए थे। *बीएस*

निफ्टी-50 ने रिकॉर्ड ऊंचाई को छू लिया

बीएस संवाददाता
मुंबई, 28 अगस्त

बेंचमार्क निफ्टी-50 इंडेक्स ने बुधवार को दिन के कारोबार और बंद आधार पर नई ऊंचाई को छू लिया। संस्थागत निवेशकों के लगातार समर्थन और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दर कटौती की उम्मीदों के बीच यह तेजी देखी गई। कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी बढ़कर 25,130 पर पहुंच गया लेकिन कुछ बढ़त गंवाते हुए अंत में 35 अंकों के इजाफे के साथ 25,052 पर बंद हुआ।

इंडेक्स लगातार 10वें दिन चढ़कर बंद हुआ जो सितंबर-अक्टूबर 2020 के बाद बढ़त का सबसे लंबा सिलसिला है। सेंसेक्स 74 अंकों की बढ़त के साथ 81,786 पर बंद हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 85,000 करोड़ रुपये बढ़कर 463 लाख करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया।

देसी निवेशकों के लगातार समर्थन से देसी बाजारों को बढ़त कायम रखने में मदद मिली जबकि वैश्विक अवरोध जारी रहे। इस महीने अब तक देसी संस्थागत निवेशक 48,347 करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार रहे हैं। इसकी तुलना में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अपनी बिकवाली घटाई है लेकिन वे 3,805 करोड़ रुपये के शुद्ध बिकवाल रहे हैं।

फेडरल प्रमुख के पिछले हफ्ते के भाषण के बाद वहां ब्याज कटौती की उम्मीद बढ़ी है। इससे बाजारों को भी काफी सहारा मिला है। हालांकि ऊंचे मूल्यांकन ने बढ़त को नियंत्रण में रखा है।

जियोजित फाइनैंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि मूल्यांकन अल्पावधि में अवरोधक बना हुआ है। इसकी परख इस हफ्ते आने वाले वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों से होगी। दूसरी ओर, निवेशक रक्षात्मक दांव पर और जोर दे रहे हैं जो आईटी और दवा कंपनियों के शेयरों के उम्दा प्रदर्शन से स्पष्ट है।

बाजार में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का अनुपात मिलाजुला रहा और 2,147 शेयर गिरे जबकि 1,815 में इजाफा हुआ। 2.1 फीसदी चढ़ने वाले इन्फोसिस ने सेंसेक्स की बढ़त में सबसे ज्यादा योगदान दिया।

सोनी संग ज़ी का विवाद सुलझा मगर परिदृश्य अनिश्चित

निकिता वशिष्ठ
नई दिल्ली, 28 अगस्त

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज (जीईईएल) और सोनी की भारतीय इकाई ने एक-दूसरे के खिलाफ अपने विफल विलय से जुड़े दावों को वापस लेने पर सहमति जता दी है। इससे भारतीय मीडिया कंपनी को लेकर चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो गया है। विश्लेषकों का मानना है कि कंपनी के शेयर की रेटिंग में जल्द बदलाव आने की संभावना नहीं है। रेटिंग में बड़ा बदलाव तभी होगा जब जी नया भागीदार या प्रमुख निवेशक तलाश लेगी।

एमके ग्लोबल फाइनैंशियल सर्विसेज में शोध विश्लेषक पुलकित चावला ने कहा, 'विलय से जुड़े विवाद के समाधान ने लगभग तीन साल की अनिश्चितता दूर कर दी है। हालांकि इस समझौते से एक बड़ी बाधा दूर हो गई है लेकिन किसी भी प्रमुख बड़े निवेशक की कमी से विश्वास पैदा नहीं हुआ है।' ब्रोकरेज ने 150 रुपये के कीमत लक्ष्य के साथ अपनी 'घटाएं' रेटिंग बरकरार रखी है।

ज़ी एंटरटेनमेंट और उसकी समूह कंपनी बांग्ला एंटरटेनमेंट ने मंगलवार को सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) के रूप में परिचालन करने वाली कंपनी कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट के साथ एक गैर-नकदी समझौता किया। कंपनियों ने एक-दूसरे के खिलाफ सभी दावे वापस ले लिए और कहा कि उनमें से किसी का भी एक-दूसरे के प्रति कोई दायित्व या जिम्मेदारी नहीं होगी। हालांकि विश्लेषक मौजूदा चुनौतीपूर्ण व्यावसायिक परिवेश में ज़ी एंटरटेनमेंट के भविष्य को लेकर सतर्क हैं। उनका कहना है कि कंपनी

बनी सहमति

- विश्लेषकों की राय में ज़ी के शेयर की रेटिंग में बदलाव की संभावना नहीं
- कंपनियों ने एक-दूसरे के खिलाफ सभी दावे वापस ले लिए

के लिए एक मुख्य समस्या डिज्नी-रिलायंस की संयुक्त इकाई के खिलाफ गहराती प्रतिस्पर्धा है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज, वायकॉम18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और वॉल्ट डिज्नी कंपनी ने फरवरी में कहा था कि वे वायकॉम18 और स्टार इंडिया के कारोबार को संयुक्त करने के लिए एक संयुक्त उद्यम बनाने के समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगी। 8.5 अरब डॉलर के इस सौदे का संयुक्त उपयोगकर्ता आधार 55.8 करोड़ होगा और यह डिजिटल प्रसारण उद्योग में एक बड़ी कंपनी का निर्माण करेगा। इस सौदे को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी भी मिल गई है।

सिटी के विश्लेषकों ने ज़ी एंटरटेनमेंट के शेयर को 137 रुपये के कीमत लक्ष्य के साथ बिकवाली रेटिंग दी है। मंगलवार को 11.45 प्रतिशत चढ़ने के बाद यह शेयर बुधवार को दिन के कारोबार में 4.2 प्रतिशत गिरकर 144.4 रुपये पर आ गया। आखिर में यह 3.45 प्रतिशत कमजोरी के साथ 145.65 रुपये पर बंद हुआ।

परिचालन संबंधित चुनौतियां

वित्त वर्ष 2025 की अप्रैल-जून तिमाही में ज़ी एंटरटेनमेंट का समेकित शुद्ध लाभ 118.10 करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष उसे 53.42 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ था। विज्ञापन राजस्व में 3 प्रतिशत की गिरावट आई क्योंकि कंपनियों ने अपना खर्च क्रिकेट और आम चुनावों पर केंद्रित कर दिया।

ओटीटी या स्ट्रीमिंग में राजस्व वृद्धि नरम पड़कर सालाना आधार पर 15 प्रतिशत रही, लेकिन तिमाही आधार पर इस वर्टिकल का घाटा 33 प्रतिशत घटकर 180 करोड़ रुपये रहा। विश्लेषकों का कहना है कि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के अलावा ज़ी एंटरटेनमेंट की विज्ञापन वृद्धि आठवीं तिमाही (सालाना आधार पर) में घटी।

ओरिएंट टेक्नोलॉजिज पहले दिन 48 प्रतिशत चढ़ा

सूचना प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता ओरिएंट टेक्नोलॉजिज का शेयर बुधवार को अपने निर्गम मूल्य 206 रुपये से करीब 48 प्रतिशत उछाल के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 40.77 प्रतिशत उछाल के साथ 290 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 47.79 प्रतिशत बढ़कर 304.45 रुपये पर पहुंच गया, जो इसकी ऊपरी सर्किट सीमा है।

एनएसई पर इसने 39.80 प्रतिशत उछाल के साथ 288 रुपये पर शुरुआत की। अंत में यह 46.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 302.40 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,267.78 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के आईपीओ को 151.71 गुना आवेदन मिले थे। *भाषा*

JKCement
जे.के. सीमेन्ट लिमिटेड
सीआइएनः L17229UP1994PLC017199
पंजीकृत कार्यालयः कमला टावर, कानपुर-208001, उ.प्र. टेलीफोनः +91 512 2371478/81 फैक्सः +91 512 2399854
ईमेलः shambhu.singh@jkcement.com वेबसाइटः www.jkcement.com

डाक मतपत्र सूचना

जे.के. सीमेण्ट लिमिटेड ('कंपनी') के सदस्यों को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि कम्पनीज एक्ट, 2013 (**अधिनियम**) की धारा 108 एवं 110 व अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत सपठित कंपनीज (मैनेजमेंट व एडमिनिस्ट्रेशन) नियम 2014 के नियम 20 और 22 सपठित सामान्य परिपत्र संख्या 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल 2020 व सामान्य परिपत्र संख्या 17/2020 दिनांक 13 अप्रैल 2020, सामान्य परिपत्र संख्या 22/2020 दिनांक 15 जून 2020, सामान्य परिपत्र संख्या 33/2020 दिनांक 28 सितम्बर 2020 व सामान्य परिपत्र संख्या 39/2020 दिनांक 31 दिसम्बर 2020, तथा सामान्य परिपत्र संख्या 10/2021 दिनांक 23 जून, 2021, व सामान्य परिपत्र संख्या 20/2021 दिनांक 08 दिसम्बर, 2021, व सामान्य परिपत्र संख्या 03/2022 दिनांक 05, मई 2022 और सामान्य परिपत्र संख्या 11/2022 दिनांक 28 दिसम्बर, 2022 तथा सामान्य परिपत्र संख्या 09/2023 दिनांक 25, सितम्बर 2023 जो कि कारपोरेट के मामले भारत सरकार द्वारा जारी (**MCA Circulars**) और कम्पनी अधिनियम 2013 के तहत बनाये गये लागू नियम जिसमें समय-समय पर लागू अन्य कोई वैधानिक संसोधन या पुनः अधिनियमन शामिल हैं, के अन्तर्गत कंपनीज एक्ट 2013 सिक्यूरिटीज व एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इण्डिया (लिस्टिंग आब्लीगेशन व डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट) रेगुलेशन 2015 (**SEBI लिस्टिंग रेगुलेशन**) व समय-समय पर लागू अन्य संबंधित वैधानिक पत्र, संशोधन, पुर्नलागू के अन्तर्गत रेगुलेशन 44 लिस्टिंग रेगुलेशन व धारा 108 व 110 अधिनियम के अन्तर्गत व तदानुसार **M.C.A.** के नियमानुसार कम्पनी, निम्न लिखित आइटम जो कि डाक मत पत्र सूचना दिनांक 23 अगस्त, 2024 में नोट अधिनियम की धारा 102 के अंतर्गत (नोटिस) के माध्यम से इलेक्ट्रानिक माध्यम से कम्पनी के सदस्यों की स्वीकृति, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से चाहती है।

विशेष प्रस्तावों का विवरण

1. कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ़ एसोसिएशन में संशोधन को मंजूरी देना।

2. कंपनी के आर्टिकल ऑफ़ एसोसिएशन में संशोधन को मंजूरी देना।

3. श्री अजय कुमार सरावगी (डीआईएनः 00130805) को कंपनी के उप प्रबंध निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में पुनः नियुक्ति।

M.C.A. परिपत्रों के अनुसार, कंपनी ने बुधवार, दिनांक 28 अगस्त, 2024 को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम (सिर्फ ईमेल के माधयम से) उन समस्त सदस्यों को सूचना जिनके ई-मेल पते कंपनी में पंजीकृत हैं या डिपाजिटर्स/डिपाजिटरी प्रतिभागी या कंपनी के रजिस्टर व ट्रान्सफर एजेंट यानि एनएसडीएल डेटाबेस मैनेजमेण्ट लिमिटेड (NDML) और सेन्ट्रल डिपाजिटरी सर्विसेज जिनके नाम सदस्यों के रजिस्टर/बेनीफिशियल स्वामी की सूची में दर्ज है जो सेन्ट्रल डिपाजिटरी सर्विसेज (इण्डिया) लिमिटेड (CDSL) में सोमवार 26 अगस्त, 2024 कट-ऑफ डेट तक जो कि दूरस्थ ई-वोटिंग के लिये मान्य है भेजी जा चुकी है। किसी प्रकार की जानकारी के लिये सदस्य shambhu.singh@jkcement.com या evoting@nsdl.com पर संपर्क कर सकते हैं।

जिन सदस्यों के पास इलेक्ट्रॉनिक होल्डिंग है, वे अपना ई-मेल पता स्थाई रूप से पंजीकृत कराने के सम्बन्ध में अपने डिपाजिटरी पार्टिसिपेण्ट्स को ई-मेल भेज कर पंजीकृत करा सकते हैं और भौतिक होल्डिंग के सम्बन्ध में नोटिस में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके पंजीकरण करे।

निदेशक मंडल द्वारा श्री एस.के. गुप्ता प्रेक्टिसिंग कंपनी सचिव (FCS 2589) और सुश्री दिव्या सक्सेना प्रेक्टिसिंग कंपनी सचिव (FCS 5639) को डाक मत पत्र की प्रक्रिया को निष्पक्ष व पारदर्शी बनाने के लिये स्क्रूटिनाइजर नियुक्त किया है। संबंधित अधिनियम SEBI लिस्टिंग रेगुलेशन व M.C.A. परिपत्रों के अनुसार कंपनी ने रिमोट ई-वोटिंग सुविधा के लिए NSDL की सेवायें ली हैं।

कंपनी के सदस्यों की एतदद्वारा सूचित व अनुरोध किया जाता है किः

क) सदस्यगण जिनके पास फिजिकल शेयर या डिमेटेरियलाइज्ड रूप में है वे केवल रिमोट ई वोटिंग द्वारा मतदान करेंगे। M.C.A. परिपत्रों के अनुसार, सूचना की हार्ड प्रति, डाक मत पत्र समेत व स्वयं संबोधित पोस्टज शुल्क व लिफाफे समेत नहीं भेजी जायेगी। सदस्यों की सहमति , असहमति या अनुपस्थति प्रस्ताव पर केवल रिमोट ई वोटिंग प्रणाली द्वारा M.C.A. परिपत्रों के अनुसार की जायेगी।

ख) **रिमोट ई वोटिंग रविवार, 01 सितम्बर, 2024 को प्रातः 9:00 बजे से शुरु होगी।**

ग) **(रिमोट ई वोटिंग सोमवार, 30 सितम्बर, 2024 सायं 5:00 बजे (IST) समाप्त होगी)।** ई वोटिंग की सुविधा इसके उपरान्त समाप्त हो जायेगी। कृपया ध्यान रहे कि वोटिंग पीरियड के बाद दिये गये वोट अवैध माने जायेंगे।

घ) सदस्यगण वोटिंग पीरियड से समय इलेक्ट्रानिक तरीके से वेबसाइटः www.evoting.nsdl.com और अपने यूजर आईडी व पासवर्ड को लॉग इन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी/विधि डाक मत पत्र द्वारा रिमोट ई वोटिंग की सूचना के नोट के साथ दी गई है।

च) सदस्यों का वोटिंग अधिकार उनके पेडअप इक्वीटी शेयर पूंजी के अनुपात के आधार पर कंपनी के कटआफ डेट के अनुसार होगा। किसी भी व्यक्ति के उपरोक्त तिथि पर सदस्य न होने पर सूचना केवल एक जानकारी मानी जायेगी।

छ) चेयरपर्सन या कोई निदेशक या चेयरपर्सन द्वारा अधिकृत कम्पनी सेक्रेटरी वैधानिक समय सीमा में डाक मत पत्र का परिणाम घोषित करेगा। परिणाम स्क्रूटिनाइजर की रिपार्ट के साथ कंपनी के वेबसाइट जैसे www.jkcement.com, www.evoting.nsdl.com स्टॉक एक्सचेंज www.bseindia.com व www.nseindia.com डिपाजिटरी के वेबसाइट पर पोस्ट की जायेगी। कंपनी परिणाम अपने पंजीकृत कार्यालय में भी डिस्पले करेगी।

ज) किसी सदस्य के सूचना प्राप्त न होने की स्थिति में वह ई मेल shambhu.singh@jkcement.com को करें या evoting@nsdl.com अथवा को लिखें या कंपनी की वेबसाइट www.jkcement.com या www.evoting.nsdl.com से सूचना डाउनलोड करें।

झ) ई.वोटिंग की प्रक्रिया को समझने के लिए सदस्यों से अनुरोध है कि वे नोटिस के नोट्स को पढ़ें या वे www.evoting.nsdl.com पर FAQs देख सकते हैं या NSDL से टोल.फ्री नंबर: 022-4886 7000 और 022- 2499 7000 पर संपर्क कर सकते हैं या evoting@nsdl.com पर अनुरोध भेज सकते हैं।

ट) किसी भी शिकायत या प्रश्न के लिए सदस्य श्री शंभू सिंह कंपनी सचिव को shambhu.singh@jkcement.com पर या NDML को लिख सकते हैं।

कृते जे. के. सीमेण्ट लिमिटेड
शम्भू सिंह
उपाध्यक्ष एवं कम्पनी सचिव
आईसीएसआई मेम्बरशिप सं0 एफसीएस 5836

स्थानः कानपुर
दिनांकः 28 अगस्त 2024